

Bureau of Indian Standards Public Relations Department

FOR IMMEDIATE RELEASE

Ref No: PRD/Press Note/08/2023-24

Date: 01/09/2023

BIS publishes new standard to address the gaps in Structural Design and Proof Checking Consultancy Services

Minimum qualification and experience criteria for the Principal Design Consultant (PDC) and
Proof Checking Consultant (PC) defined

New Indian Standard on IS 18299:2023 Structural Design and Proof Checking Consultancy Services for Structures — Requirements

Bureau of Indian Standards (BIS), the National Standards Body of India, has published an indigenous Indian Standard, IS 18299:2023, on 'Structural Design and Proof Checking Consultancy services for Structures — Requirements. This standard covers the requirements of structural design and proof-checking consultancy services for all types of civil engineering structures. It also includes responsibilities, educational qualifications, and deliverables expected from all the stakeholders. This standard is relevant to owners of any civil engineering structure, structural engineers, architects, construction contractors, regulatory authorities, specialist design consultants, etc.

As per the official statement from BIS, their intent in formulating this standard is to:

- a) Explicate the appointment of a Principal Design Consultant (PDC) and Proof Checking Consultant (PC) for both the project delivery modes, i.e., design-bid-build mode and design & build mode.
- b) Briefly describe the role and responsibilities of all the stakeholders, i.e., owner, PDC, PC and the Constructor, including the expected deliverables.
- c) Defining a minimum qualification and experience criteria for the PDC and the PC.

Thanks

Public Relations Department

भारतीय मानक ब्यूरो

तत्काल जारी करने हेतु

पीआरडी/प्रेस नोट/08/2023-24

दिनांक- 01/09/2023

प्रेस विज्ञप्ति मसौदा

बीआईएस द्वारा संरचनात्मक डिजाइन और संरचनाओं की प्रमाण जांच परामर्श सेवाओं सम्बन्धी मानक प्रकाशित

मानक में प्रिंसिपल डिजाइन कंसल्टेंट (पीडीसी) और प्रूफ चेकिंग कंसल्टेंट (पीसी) के लिए न्यूनतम योग्यता और अनुभव मानदंड परिभाषित

IS 18299:2023, 'संरचनात्मक डिजाइन और संरचनाओं की प्रमाण जांच परामर्श सेवाएं — अपेक्षाएं' भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय ने 'संरचनात्मक डिजाइन और संरचनाओं की प्रमाण जांच परामर्श सेवाएं — अपेक्षाएं' पर एक स्वदेशी भारतीय मानक, आईएस 18299:2023 प्रकाशित किया है। यह मानक सभी प्रकार की सिविल इंजीनियरिंग संरचनाओं के लिए संरचनात्मक डिजाइन और प्रमाण जांच परामर्श सेवाओं की आवश्यकताओं को शामिल करता है। इसमें सभी हितधारकों से अपेक्षित जिम्मेदारियां, शैक्षिक योग्यताएं और परिदेय भी शामिल हैं। यह मानक किसी भी सिविल इंजीनियरिंग संरचना के मालिकों, संरचनात्मक इंजीनियरों, वास्तुकारों, निर्माण ठेकेदारों, नियामक प्राधिकरणों, विशेषज्ञ डिजाइन सलाहकारों आदि के लिए प्रासंगिक है। इस सम्बन्ध में ब्यूरो द्वारा जारी स्टेटमेंट के अनुसार इस मानक को तैयार करने के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

क) दोनों प्रोजेक्ट डिलीवरी मोड, यानी डिजाइन-बिल्ड-बिल्ड मोड, और डिजाइन और बिल्ड मोड के लिए प्रिंसिपल डिजाइन कंसल्टेंट (पीडीसी) और प्रूफ चेकिंग कंसल्टेंट (पीसी) की नियुक्ति की व्याख्या करना।

ख) सभी हितधारकों, यानी मालिक, पीडीसी, पीसी और कंस्ट्रक्टर की भूमिका और जिम्मेदारियों का संक्षेप में वर्णन करना, जिसमें उनसे अपेक्षित परिदेय भी शामिल हैं।

ग) पीडीसी और पीसी के लिए न्यूनतम योग्यता और अनुभव मानदंड परिभाषित करना।

धन्यवाद
जनसंपर्क विभाग